Annexure3.1

Visual publishing on ragas, vocal pedagogy, ethnomusicology, and performance practice using music albums are available on Dr. Satish Thakur YouTube channel.

https://youtube.com/@satishthakur?si=-jTxAE0pUc-l2H1V

Book b1Authored:

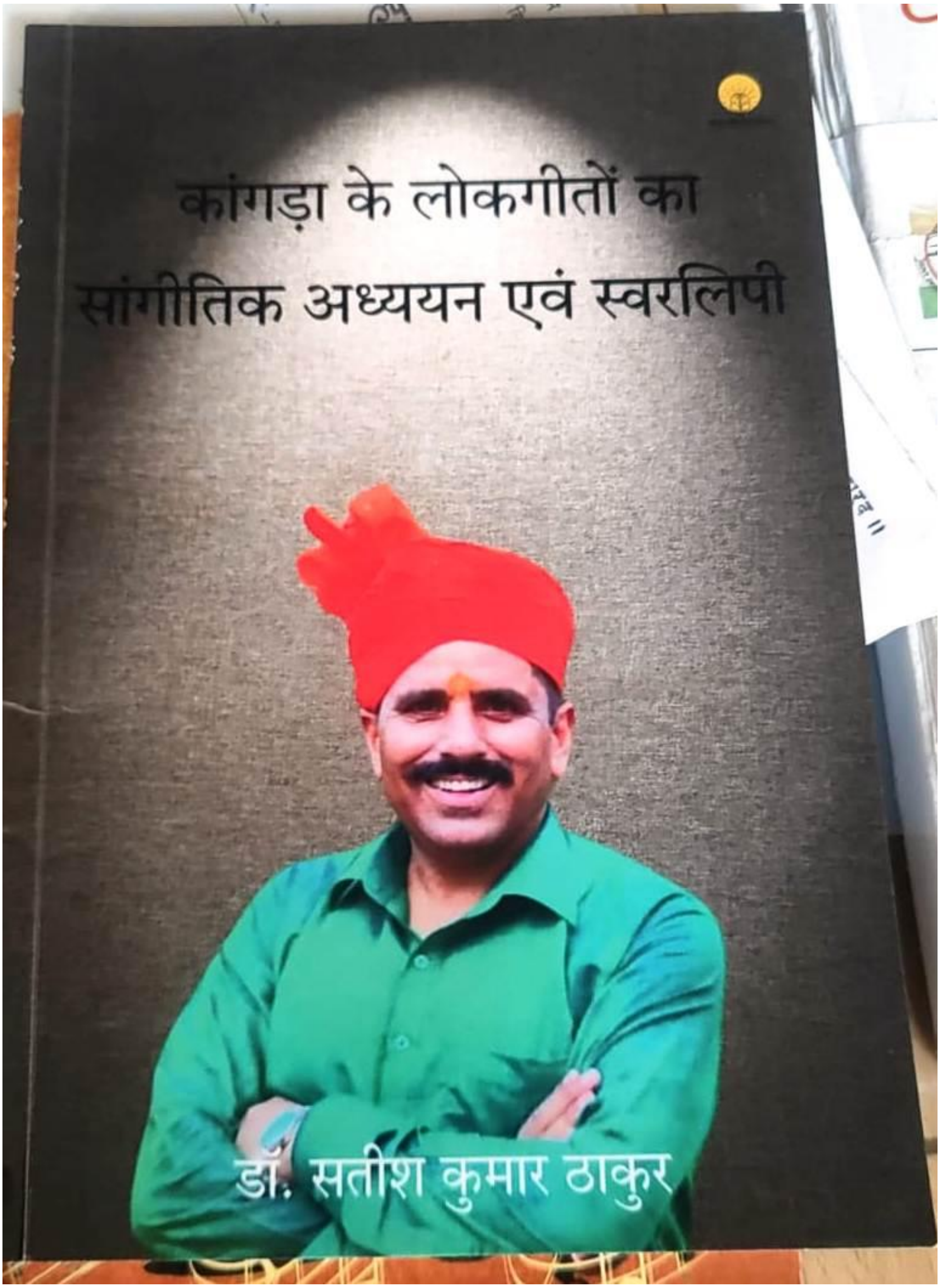

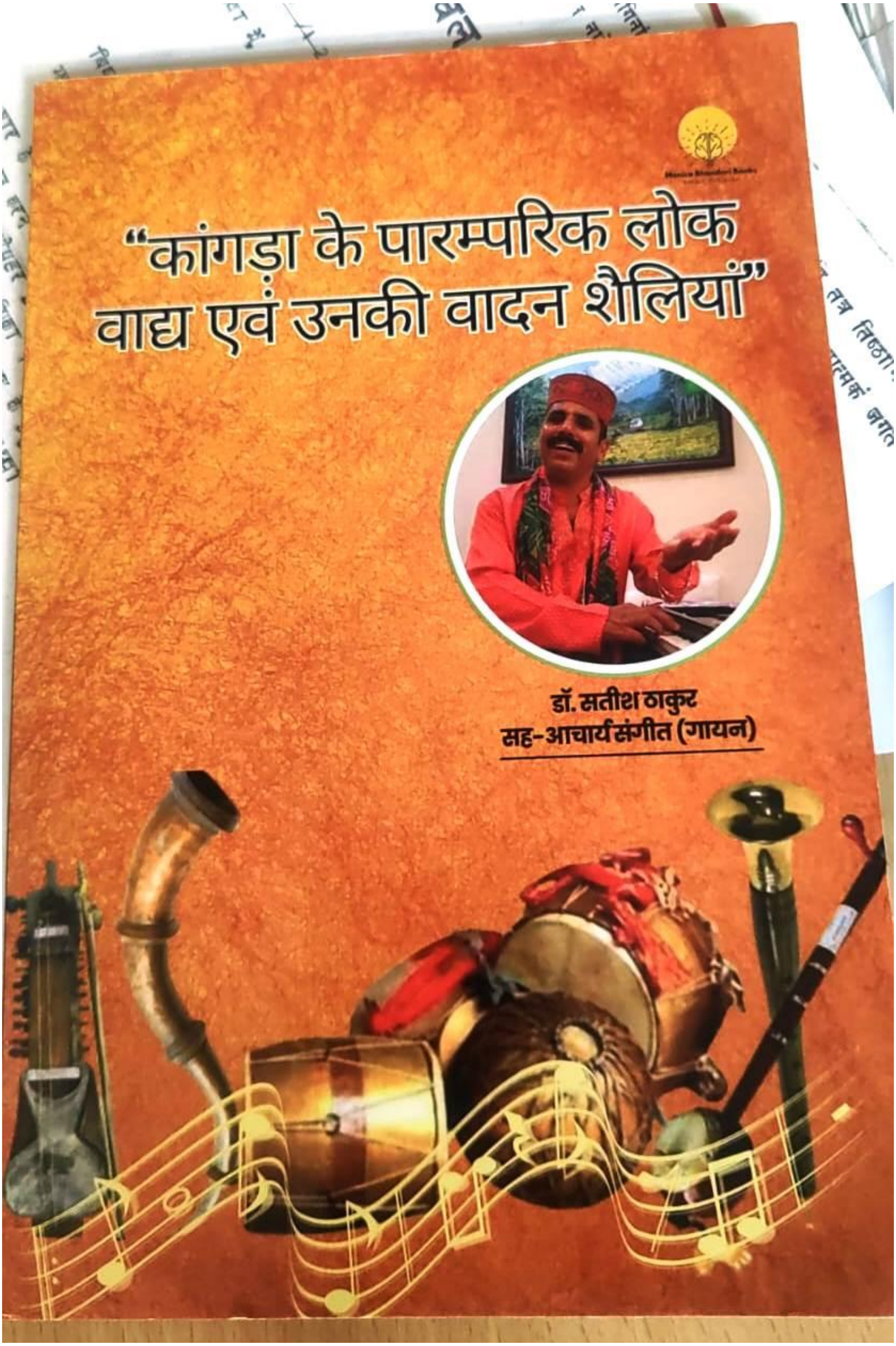
“कांगड़ा के पारम्परिक लोक
वाद्य एवं उनकी वादन शैलियां”
डॉ. सतीश ठाकुर
सह-आचार्य संगीत (गायन)

Revisiting the Role of Women in Freedom Struggle of India

Proceedings Book of National Conference

Editors:

Dr. Raj Kumar

Rajender Kumar Sharma

Sponsored :

Under "RUSA Head Equity Initiatives"

Himachal Pradesh University Summer Hill, Shimla-5

Organised by:

Department of History

Himachal Pradesh University Regional Centre Dharamshala

25th-26th October, 2024

S.No.	Title of Research Paper and Author	Page No.
13.	Backdrop of Sukerchakia Misl before Ranjit Singh *Jasmeen Walia (Research Scholar), Department of History, CT University, Ludhiana, Punjab*	81
14.	Development of Women Education In Colonial India *Dr. Raj Kumar, Assistant Professor, Department of History, HPU, Regional Centre, Dharamshala.* *Jitender Kumar, Ph.D Research scholar, Department of History, Himachal Pradesh*	85
15.	Role of Women in India's Struggle for Freedom *Harish Kumar, Assistant Professor in History, Govt. College Shahpur*	95
16.	Empowering minds, Liberating Nation: The Interplay of Women's Education and the National Movement in Maharashtra *Aadika, Research Scholar (History), Central University of Himachal Pradesh*	100
17.	A Women Warrior of the Mid-nineteenth Century: Rani Lakshmibai *Suman Kumar Verma, Assistant Professor, Department of History University of Jammu*	105
18.	Contribution of Sarojini Naidu to the Indian Freedom Struggle *Dr. Satish Thakur, Associate Professor, Music (V), Government Degree College, Shahpur, (H.P.)*	108
19.	Women and Struggle for Indian Freedom *Nirmla Devi, Assistant Professor. Deptt. of History* *Thakur Jagdev Chand Memorial Govt. College Sujanpur Tihra Hamirpur (HP)*	112
20.	Participation and Contribution of Women in Azad Hind Fauj *Poonam Bala, Assistant professor of Political Science* *HIET- Himachal Institute of Engineering and Technology Shahpur Kangra (H. P.)*	119
21.	Rani Laxmibai: An Enduring Legacy of Women Empowerment and Rights *Dr. Bhavana Sharma1, Assistant Professor, School of Legal Studies, Himachal Pradesh University Regional Centre, Dharamshala, H.P.*	127
22.	Unsung Female Crusaders of India's Freedom Struggle *Dr. Nameeta Rana, Assistant Professor (LAW), HPU Regional Centre, Dharamshala*	133
23.	The Human Cost of Freedom: Revisiting Trauma Through Amrita Pritam's Pinjar **Suramya Gusain, Assistant Professor, GDC Shri Renukaji at Dadahu, Govt. of HP* *** Pratibha Lohiya, Indian Revenue Service, Govt. of India*	140
24.	Gig Economy : An emerging economy and its Socio-Economic impact on workers *Navneet Kaur, (School of Arts, Science, Humanities and Physical Education)* *CT University, Ferozepur Road, Ludhiana)*	145
25.	A study of Role of women and major social issues in Gandhian movements *Vikas Kalotra, Assistant Professor, Department of History, KDC Govt. Degree College Jaisinghpur, District.- Kangra (H.P)*	150
26.	Women as Legal Pioneers in the Indian Freedom Struggle: A Journey of Empowerment and Justice *Dr. Sunny Sharma, Assistant Professor, University Institute of Legal Studies, Panjab University, Chandigarh*	151
27.	विंध्य क्षेत्र की महिलाओं का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान। *प्रो. स्कंद कुमार मिश्रा, शास. माधव सदाशिवराव गोलवलकर महाविद्यालय (अ. प्र. सिंह विश्वविद्यालय) रीवा, मध्य प्रदेश*	166
28.	आज़ाद हिन्द फौज़ के सैन्य खुफिया विभाग में महिला जासूसों का योगदान **डॉ. विनय कुमार शर्मा, सहायक आचार्य, इतिहास, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला* ***करतार चन्द सहायक आचार्य, इतिहास, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, सांध्य कालीन अध्ययन विभाग, शिमला*	169

Signature Song of Department of higher education "बढ़ता जाये देखो हिमाचल निज प्रगति के पथ पर" written, composed and sung by Dr. Satish Thakur while serving at Govt. Degree College Dharamshala.

हिमाचल शिक्षा विभाग

यह गीत प्रदेश की संस्कृति तथा लोगों की भावनाओं को व्यक्त करता है। इस गीत की रचना पर भी गहन चिंतन एवं मंथन किया गया है...

भारतवर्ष में कई राज्यों ने आधिकारिक रूप से अपने राज्य गीत को घोषित किया है जिनमें ग्यारह राज्य तथा एक केन्द्र शासित प्रदेश शामिल हैं। इन राज्य गीतों को राष्ट्रीय, प्रादेशिक या विशेष अवसरों पर गाया जाता है। हिमाचल प्रदेश भी इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2021 में हिमाचल प्रदेश ने अपनी स्थापना स्वर्ण का स्वर्ण जयंती वर्ष मनाया। इसी प्रकार देश अपनी आज़ादी का 75वां वर्ष अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। इस वर्ष प्रदेश के शिक्षा विभाग ने राज्य सिग्नेचर सॉन्ग का सृजनकर एक सराहनीय कार्य किया है। प्रदेश के लिए यह ऐतिहासिक एवं गौरवमयी घटना है। इस सिग्नेचर सॉन्ग को हिमाचल के पांच संगीत प्राध्यापकों की एक टीम ने गहन सोच, विचार-विमर्श, चर्चा तथा चिंतन के पश्चात हिंदी भाषा में लिखा तथा संगीत रचना कर स्वयं अपने स्वर में गाया है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के स्वर्णिम वर्ष तथा स्वतंत्रता के 75वें अमृत महोत्सव वर्ष में इस सिग्नेचर सॉन्ग के निर्माण की प्रक्रिया उस समय शुरू कर दी थी जब 24 मार्च 2021 को मुख्यमंत्री ने राज्य के प्रतिष्ठित कलाकारों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से यह विचार सांझा कर अपनी यह इच्छा जताई।

इस वर्ष सरकार की प्रस्तावित स्वर्ण जयंती रथ यात्रा के लिए भी इस सिग्नेचर सॉन्ग की आवश्यकता थी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने इस संदर्भ में अतिरिक्त मुख्य सचिव आरडी धीमान के नेतृत्व में एक कमेटी गठित कर यह कार्य राज्य शिक्षा विभाग, भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को सौंपा। हिमाचल प्रदेश राज्य शिक्षा विभाग ने इस कार्य के लिए विभागीय स्तर पर पांच सदस्यीय संगीत प्राध्यापकों की समिति गठित की। इसके लिए शिक्षा निदेशक डा. अमरजीत के. शर्मा ने 15 सितंबर 2021 को डा. गोपाल कृष्ण भारद्वाज राजकीय महाविद्यालय फाइन आर्ट्स शिमला, प्रो. सुरेश शर्मा स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं, डा. सतीश ठाकुर राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला, डा. लालचंद राजकीय फाइन आर्ट्स कॉलेज शिमला तथा डा. हेमराज राजकीय महाविद्यालय कोटशेरा, शिमला को इस गीत को तैयार करने के आदेश दिए। कई दिनों के अथक प्रयासों, चिंतन, मनन, मंथन, चर्चा तथा परिचर्चाओं के दौर से निकलते हुए इसी संगीत समिति के सदस्यों ने सामूहिक रूप से इस गीत को लिखा, स्वरबद्ध किया तथा इस गीत को अपनी आवाज़ में रिकॉर्ड भी किया। इसके अतिरिक्त सहयोगी स्वरों के रूप में याचिका, परूल शर्मा, रीना शर्मा, रचना शर्मा तथा नेहा दीक्षित ने महिलाओं के स्वर देकर इस संगीत कृति को अलंकृत किया। प्रदेश के प्रसिद्ध हारमोनियम वादक डा. लालचंद, बांसुरी वादक लाभ सिंह, गिटार वादक राजा, तबला वादक अमित कुमार तथा सिंथेसाइजर पर आशीष ने इस संगीत संरचना का अलंकरण किया। इस राज्य गीत को शिमला के मुकुंद स्टूडियो में रिकॉर्ड किया गया तथा धनंजय शर्मा ने अपने सांगीतिक एवं तकनीकी अनुभव से बड़ी कुशलता से ध्वनि अंकन किया। इस गीत में प्रदेश जनसंपर्क विभाग के अमरजीत शर्मा द्वारा सुंदर एवं आकर्षक विजुअल भी डाले गए। इस गीत के दो भाग हैं। एक भाग मात्र एक मिनट पच्चीस सेकंड का है जिससे विशेष अवसरों तथा विशेष गणमान्य अतिथियों सरकारी, गैर सरकारी तथा प्रदेश के महत्वपूर्ण अवसरों तथा समारोह पर गाया जाएगा।

इसे सिग्नेचर सॉन्ग कहा गया है। दूसरा भाग इस गीत का संपूर्ण भाग है जो कि सात मिनट तथा चार सेकंड की समय अवधि का है जिसमें स्थायी के अतिरिक्त चार अंतरे हैं। यह गीत 'प्यारा हिमाचल-न्यारा हिमाचल' तथा 'बढ़ता जाए-शिखर की ओर' की टैग लाइन पर आधारित है जिसे राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय तथा अन्य सरकारी एवं गैर सरकारी आयोजनों, खेल उत्सवों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, ग्राम पंचायतों, जिला परिषदों तथा सभी सरकारी विभागों के समारोहों पर गाया-बजाया जा सकता है। यह गीत विभिन्न स्तरों पर विभिन्न बैठकों में विभिन्न अधिकारियों, संगीतकारों तथा चिंतकों की अनेक चर्चाओं के पश्चात तैयार किया गया है। यह गीत प्रदेश की संस्कृति तथा लोगों की भावनाओं को व्यक्त करता है। इस गीत के शब्दों तथा साहित्यिक रचना पर भी गहन चिंतन एवं मंथन किया गया है। इसकी धुन सरल तथा सर्वग्राहय तैयार की गई है ताकि यह लोगों का लोकप्रिय गान बन सके। इस गीत के चार अंतरे हैं। पहला अंतरा स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं समर्पण, दूसरा अंतरा प्रदेश के क्रमिक विकास, तीसरा अंतरा प्रकृति दर्शन, देव संस्कृति तथा चौथा अंतरा हिम बांकुरों, वीर शहीदों की गाथा को व्यक्त करता है। साहित्यिक एवं सांगीतिक दृष्टि से जहां इस गीत से आधुनिकता की खुशबू आती है, वहीं पर स्वर-ताल एवं संगीत से प्रदेश की संस्कृति तथा वीरता की भावना प्रस्फुटित होती दिखाई पड़ती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा इस सिग्नेचर सॉन्ग का आठ जून, 2022 को हिमाचल प्रदेश के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित मेधावी छात्रों को लैपटॉप वितरण समारोह में प्रमोचन किया गया।